

# डिजिटल रेडियो प्लेटफॉर्म देश में डिजिटल एवं कनेक्टिविटी क्रांति को बढ़ावा देगा

Posted On: 31 JAN 2017 8:23PM by PIB Delhi

डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी श्रोताओं को व्यापक प्रकार की सेवाओं से सशक्त बनाता है : श्री वैकैया नायडू

मंत्री महोदय ने डिजिटल रेडियो गोल मेज सम्मेलन का उद्घाटन किया

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री एम. वैकैया नायडू ने कहा है कि डिजिटल रेडियो ने देश में डिजिटल एवं कनेक्टिविटी क्रांति अजित करने के माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी एवं निजी प्रसारकों समेत सभी हितधारकों के लिए एक अनूठा अवसर उपलब्ध कराया है। डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी श्रोताओं को किफायती मूल्य पर उल्लेखनीय रूप से बेहतर श्रव्य गुणवत्ता एवं सेवा विश्वसनीयता उपलब्ध करायेगी। मंत्री महोदय ने आज यहां ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसलटेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) के साथ डिजिटल इंडिया मॉडीएल (डीआरएम) द्वारा आयोजित एक डिजिटल रेडियो गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान इसका जिक्र किया।



इसे और अधिक स्पष्ट करते हुए श्री नायडू ने कहा कि ऑटोमोटिव विनिर्माताओं एवं खुदरा विक्रेताओं के लिए वाहनों में डिजिटल रेडियो प्रणाली समाविष्ट करने का यह एक उपयुक्त समय है जो उपभोक्ताओं को किफायती मूल्य पर उल्लेखनीय रूप से बेहतर श्रव्य गुणवत्ता एवं सेवा विश्वसनीयता प्रदान करेगा। यह इस नई डिजिटल प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और इसे अंगीकार करने में सक्षम बनायेगा। डिजिटल रेडियो श्रोताओं, विनिर्माताओं, प्रसारकों एवं नियामकों समेत सभी हितधारकों को लाभ प्रदान करता है।



श्री नायडू ने डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी अपनाने में आकाशवाणी की उपलब्धियों के बारे में जिक्र किया कि आकाशवाणी ने रेडियो प्रसारण के डिजिटलाइजेशन, जो कि आज विश्व में आज एक अद्वितीय परियोजना है, के पहले चरण में 37 शक्तिशाली ट्रांसमीटरों के तकनीकी स्थापन एवं उन्नयन का काम पहले ही पूरा कर लिया है। यह डिजिटल ट्रांसमिशन के लिए बिजली उपभोग में कमी सुनिश्चित करेगा तथा भविष्य में आकाशवाणी तथा कर्दाताओं की ट्रांसमिशन लागत में उल्लेखनीय रूप से बचत करेगा। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी ने अंतर्राष्ट्रीय आईटीयू मानक डिजिटल रेडियो मॉडीएल (डीआरएम) पर आधारित अपने डिजिटल ट्रांसमीटरों के जरिये खुद को फिर से गढ़ा है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रैफिक परामर्शदात्री सेवाओं की जरूरत पर जोर देते हुए श्री नायडू ने कहा कि आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटरों के जरिये इस सेवा के अगले चरण को आईटीयू मानकों के आधार पर डिजिटलाइज करने की जरूरत है जिससे कि इसकी पूर्ण क्षमता का दोहन किया जा सके। यह सेवा विविध रेडियो कार्यक्रम, विस्तृत एवं मांग के अनुसार विविध भाषाओं में ट्रैफिक एवं यात्रा की सूचना तथा आपातकालीन चेतावनी सेवाएं प्रस्तुत करेगी।

श्रोताओं के लिहाज से डिजिटल ट्रांसमिशन एक बेहद सुस्पष्ट और एफएम ध्वनि गुणवत्ता से बेहतर सेवा उपलब्ध करायेगी। इसमें संवर्द्धित कार्यक्रम विकल्प, एक साथ कई भाषाओं में इंटरनेट से खबर, खेल, यात्रा एवं मौसम संबंधी जानकारियों तक निःशुल्क पहुंच की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी तथा यह किसी आपदा की स्थिति में लोगों को तत्काल आपातकालीन चेतावनी का प्रसारण करने में सक्षम होगी।



वाणिज्यिक दृष्टिकोण से यह प्रणाली श्रोताओं को किफायती मूल्य पर सेवा प्रदान करेगी तथा तकनीकी दृष्टिकोण से डीआरएम की प्रमुख और क्रांतिकारी विशेषता ट्रांसमिशन मोड्स के एक रेंज से चयन करने की इसकी क्षमता होगी।

\*\*\*

वीके/एसकेजे/वीके- 285

(Release ID: 1481447) Visitor Counter : 8